NEWS CLIPPING: 14.07.2018

DAINIK BHASKAR

कार्यक्रम | जीवन कौशल विकास विषय पर पांच दिनी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

शिक्षकों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण बेहद जरूरी : प्रो. दिनेश

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) के सहयोग से जीवन कौशल विकास विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य शिक्षकों को रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली चुनौतियों का सामना करने, समस्याएं सुलझाने तथा निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए जरूरी जीवन कौशल से अवगत कराना था। जिससे शिक्षकों के माध्यम से बुनियादी जीवन कौशल की जानकारी विद्यार्थियों को मिल सके। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में शिक्षकों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण बेहद जरूरी है, जो उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में मदद करता है। स्वयं को जानने, रचनात्मक सोच पैदा करने, जीवन की समस्याएं सुलझाने तथा निर्णय लेने की समझ विकसित करने तथा प्रभावी संवाद में जीवन कौशल प्रशिक्षण अहम भूमिका निभाता है। इस मौके पर डीन (संस्थान) डॉ. संदीप ग्रोवर तथा डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह भी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रचना अग्रवाल, अनुश्री चौहान तथा एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ की डॉ. रमा छाबड़ा ने किया।

फरीदाबाद. वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

पांच दिनी कार्यक्रम के दौरान लगभग 20 सत्र आयोजित किए गए। इसमें 10 विशेषज्ञ वक्ता प्रो. रवि के. हांडा, डॉ. पारुल खुराना, डॉ. मीतू मट्टा, प्रो. रितु गांधी अरोड़ा, प्रो. सुजाता शाही, डॉ. ज्योति राणा, प्रो. संदीप ग्रोवर तथा प्रो. अरविंद गुप्ता ने संबोधित किया। इन्होंने जीवन कौशल विकास का उद्देश्य व विद्यार्थियों के लिए महत्व, सॉफ्ट स्किल के विभिन्न प्रकारों, मानव मूल्यों, समय प्रबंधन, प्रभावी संवाद, भावनात्मक समझ, निर्णय लेने संबंधी क्षमता विकास तथा पारस्परिक संबंध विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। अंत में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को लेकर अपने अनुभव भी साझा किए।

NEWS CLIPPING: 14.07.2018

DAINIK JAGRAN

शिक्षकों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण जरूरी : प्रो.दिनेश

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के सहयोग से शिक्षकों के लिए जीवन कौशल विकास विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में शिक्षकों को रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली चुनौतियों का सामना करने, समस्याएं सुलझाने तथा निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए जरूरी जीवन कौशल से अवगत करवाया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षकों के जरिए बुनियादी जीवन कौशल की जानकारी प्राप्त हो सके।

वाइएमसीए में कुलपति प्रो .दिनेश कुमार जीवन कौशल विकास विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए ● जागरण

समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में छात्रों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण बेहद जरूरी है, जो उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में मदद करता है। उन्होंने कहा कि स्वयं को जानने, रचनात्मक सोच पैदा करने, जीवन की समस्याएं सुलझाने तथा निर्णय लेने की समझ विकसित करने तथा प्रभावी संवाद में जीवन कौशल प्रशिक्षण अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई दी। इस अवसर पर डीन(संस्थान) डॉ. संदीप ग्रोवर तथा डीन(अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.रचना अग्रवाल, अनुश्री चौहान तथा एनआइटीटीटीआर, चंडीगढ़ से डॉ.रमा छाबड़ा ने किया। पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान लगभग 20 सत्र आयोजित किये गये, जिसमें 10 विशेषज्ञ वक्ताओं प्रो.रवि के.हांडा, डॉ.पारूल खुराना, डॉ.मीतू मट्टा, प्रो. ऋतु गांधी अरोड़ा, प्रो.सुजाता शाही, डॉ.ज्योति राणा, प्रो.संदीप ग्रोवर तथा प्रो. अरविंद गुप्ता ने संबोधित करते हुए जीवन कौशल विकास का उद्देश्य व विद्यार्थियों के लिए महत्व, सॉफ्ट स्किल के विभिन्न प्रकारों, मानव मूल्यों, समय प्रबंधन, प्रभावी संवाद, भावनात्मक समझ, निर्णय लेने संबंधी क्षमता विकास तथा पारस्परिक संबंध विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

NEWS CLIPPING: 14.07.2018

NAVBHARAT TIMES

दिए चुनौतियों को सुलझाने के टिप्स

जीवन कौशल विकास विषय पर प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

■ प्रमुख संवाददाता,फरीदाबाद

शिक्षकों के लिए जीवन कौशल विकास विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य शिक्षकों को रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाले चुनौतियों का सामना करने, समस्याएं सुलझाने व निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने एवं शिक्षकों के माध्यम से बुनियादी जीवन की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त हो सके था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय व अन्य शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण बेहद जरूरी है, जो उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में मदद करता है। स्वयं को जानने, रचनात्मक सोच पैदा करने, जीवन की समस्याएं सुलझाने तथा निर्णय लेने की समझ विकसित करने तथा प्रभावी संवाद में जीवन कौशल प्रशिक्षण अहम भूमिका निभाता है। इस मौके पर डीन डॉ. संदीप ग्रोवर तथा डीन डॉ. विक्रम सिंह मौजूद रहे।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में चल रहा है पांच दिवसीय शिविर

NEWS CLIPPING: 14.07.2018

PUNJAB KESARI(DELHI)

जीवन कौशल विकास विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण बेहद जरूरीः प्रो दिनेश कुमार

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के सहयोग से शिक्षकों के लिए जीवन कौशल विकास विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाले चुनौतियों का सामना करने, समस्याएं सुलझाने तथा निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए जरूरी जीवन कौशल से अवगत करवाना था ताकि शिक्षकों के माध्यम से बुनियादी जीवन कौशल जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार। (छायाःराकेश देव)

कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण बेहद जरूरी हैए जो उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में मदद करता है। स्वयं को जाननेए रचनात्मक सोच पैदा करने, जीवन की समस्याएं सुलझाने तथा निर्णय लेने की समझ विकसित करने तथा प्रभावी संवाद में जीवन कौशल प्रशिक्षण अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता पर सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

इस अवसर पर डीन संस्थान डा संदीप ग्रोवर तथा डीन अकादमिक डॉ विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन को विश्वविद्यालय से डॉ रचना अग्रवाल तथा अनुश्री चौहान तथा एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ से डॉ रमा छाबड़ा ने किया।

पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान लगभग 20 सत्र आयोजित किये गये, जिसमें 10 विशेषज्ञ वक्ताओं प्रो रवि के हांडा, डॉ पारूल खुराना, डॉ मीतू मट्टा, प्रो रितु गांधी अरोड़ा आदि ने संबोधित किया तथा जीवन कौशल विकास का उद्देश्य व विद्यार्थियों के लिए महत्वए सॉफ्ट स्किल के विभिन्न प्रकारोंए मानव मूल्यों, समय प्रबंधन, प्रभावी संवाद, भावनात्मक समझ, निर्णय लेने संबंधी क्षमता विकास तथा पारस्परिक संबंध विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। अंत में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को लेकर अपने अनुभव साझे किये।

NEWS CLIPPING: 14.07.2018

PUNJAB KESARI

जीवन कौशल विकास पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

विकास के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण बेहद जरूरी: प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 13 जुलाई (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ के सहयोग से शिक्षकों के लिए जीवन कौशल विकास विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए प्रतिभागी व अन्य।

जिसका उद्देश्य शिक्षकों को रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाले चुनौतियों का सामना करने, समस्याएं सुलझाने तथा निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए जरूरी जीवन कौशल से अवगत करवाना था ताकि शिक्षकों के माध्यम से बुनियादी जीवन कौशल जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat, 14 July 2018
epaper.punjabkesari.in/c/30381537

NEWS CLIPPING: 14.07.2018

AMRA UJALA

'व्यक्तित्व विकास के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण जरूरी'

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के सहयोग से शिक्षकों के लिए जीवन कौशल विकास विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली चुनौतियों का सामना करने, समस्याएं सुलझाने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के लिए जरूरी जीवन कौशल से अवगत करवाना था, जिससे शिक्षकों के माध्यम से बुनियादी जीवन कौशल जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त हो सके। कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में विद्यार्थियों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण बेहद जरूरी है। यह उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में मदद करता है। स्वयं को जानने, रचनात्मक सोच पैदा करने, जीवन की समस्याएं सुलझाने, निर्णय लेने की समझ विकसित करने और प्रभावी संवाद में जीवन कौशल प्रशिक्षण अहम भूमिका निभाता है। इस अवसर पर डीन संस्थान डॉ. संदीप ग्रोवर और डीन अकादमी डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान लगभग 20 सत्र आयोजित किए गए। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 14.07.2018

AMAR UJALA

एमटेक के लिए दाखिला 25 जुलाई तक

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एमटेक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को 25 जुलाई तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक डा. विक्रम सिंह ने बताया कि यह निर्णय विद्यार्थियों के हित को देखते हुए लिया गया है। इससे पहले एमटेक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई थी। विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के विभिन्न विभागों में एमटेक की कुल 144 सीटें है। इसमें गेट परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाती है। उन्होंने कहा कि बाद में रिक्त सीटों पर योग्यता परीक्षा के आधार पर मेरिट से दाखिला किया जाएगा। ब्यूरो